न्यूज डायरी

11 दिन तक अस्पताल में हिल नहीं पाए, अब कोरोना वायरस से हुए ठीक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस से संक्रमित हुए ब्रिटेन के एक शख्स पॉल स्केग का पूरा शरीर पैरेलाइज हो गया था। 11 दिन तक इसी हालत में रहने के बाद आखिरकार वह ठीक हो गए और अपने पैरों पर चलते हुए अस्पताल से बाहर निकले। इस दौरान मेडिकल स्टाफ ने तालियां बजाकर उन्हें विदा किया। कुछ ही दिनों पहले पॉल ने सगाई की थी। पॉल की मंगेतर ने फूलों से उनका स्वागत किया। अस्पताल के डॉक्टर जोनाथन ने बताया कि यह बहुत ही कम केस में होता है जब कोरोना की वजह से शरीर को लकवा मार जाए। उनका ठीक होना किसी चमत्कार से कम नहीं है। पॉल वेंटिलेटर पर थे। उनकी थेरेपी में इम्यूनोग्लोब्लीन का इस्तेमाल किया गया जो एक तरह का प्लाज्मा है। अगर यह थेरेपी न अपनाई जाती तो पॉल पता नहीं कितने दिन तक वेंटिलेटर पर ही रहते।

दक्षिण कोरिया की के–लीग ने अभ्यास मैचों की स्वीकृति दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। दक्षिण कोरिया की के–लीग ने कहा है कि फुटबाल क्लबों को मंगलवार से खाली स्टेडियम में अभ्यास मैचों के आयोजन की स्वीकृति दी जाएगी। कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण के खतरे के कारण के–लीग के सत्र में अब तक दो महीने का विलंब हो चुका है। शुरुआत में चीन के बाहर कोरिया में कोरोना वायरस का सबसे अधिक संक्रमण फैला था लेकिन अपने विस्तृत 'पहचान, परीक्षण और उपचार' कार्यक्रम से लगता है देश ने इस पर नियंत्रण पा लिया है।इस संक्रमण के कारण देश भर में खेल लीग या तो निलंबित हो गई या फिर उनके सत्र की शुरुआत में विलंब किया गया। सरकार ने सप्ताहांत कहा था कि वह आउटडोर खेलों के मैचों का आयोजन खाली स्टेडियम में कराने की स्वीकृति देगी क्योंकि कोरोना वायरस के मामलों में काफी गिरावट आई है।कोरिया पेशेवर फुटबाल लीग ने सोमवार को इस पर प्रतिक्रिया देते हुए घोषणा की कि मंगलवार से उसके क्लबों को एक दूसरे के खिलाफ अभ्यास मैच खेलने की स्वीकृति होगी।

माल्या को बड़ा झटका, भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका ब्रिटिश कोर्ट में खारिज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या की भारत प्रत्यर्पित करने के खिलाफ दायर की गई याचिका को ब्रिटेन की एक अदालत ने खारिज कर दिया। माल्या 9,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत में वांछित है। माल्या ने फरवरी में इंग्लैंड और वेल्स की हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने माना है कि माल्या के खिलाफ भारत में कई बड़े आरोप लगे हैं। माल्या (64) ने 31 मार्च को याचिका के संबंध में ट्वीट में कहा था, मैंने बैंको को लगातार उनके पूरे पैसे चुकाने के लिए ऑफर किया है। न तो बैंक पैसे लेने को तैयार रहे हैं और न ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संपत्तियों को छोड़ने के लिए। काश इस समय वित्त मंत्री मेरी बात को सुनतीं। रॉयल कोर्ट में लॉर्ड जस्टिस स्टीफन इविन और जस्टिस एलिजाबेथ लाइंग की दो सदस्यीय पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया।

इटली में पहली बार आई संक्रमितों की संख्या में कमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रोम। कोरोना वायरस महामारी पूरी दुनिया में कहर बरपा रही है। हालांकि इस बीच इटली से एक अच्छी खबर निकलकर सामने आई है। इटली में कोरोना वायरस से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या में सोमवार को पहली बार कमी दर्ज की गई। देश में सबसे पहला संक्रमण का मामला फरवरी में सामने आया था। फ्रांस की नागरिक सुरक्षा सेवा के मुताबिक, संक्रमित होने के बाद 108,237 लोगों का या तो अस्पताल में इलाज किया गया या घरों में इनके स्वास्थ्य का ख्याल रखा जा रहा था। नागरिक सुरक्षा सेवा के प्रमुख एंगेलो बोरेली ने कहा, पहली बार, हमने एक नया सकारात्मक संकेत देखा है।

एफएटीएफ से बचने के लिए पाकिस्तान की बड़ी चाल

4 हजार आतंकवादियों का नाम निगरानी सूची से हटाया

दांव

■एफएटीएफ जून में करेगा पाकिस्तान की समीक्षा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। कोरोना महासंकट के बीच पाकिस्तान ने खुद को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे सूची से हटाए जाने के लिए बड़ा दांव चला है। पाकिस्तान ने पिछले 18 महीने में निगरानी सूची से हजारों आतंकवादियों के नाम को हटा दिया है। पाकिस्तान ने यह हरकत ऐसे समय पर की है जब जून महीने में एफएटीएफ की बैठक होने वाली है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान को 27 बिंदुओं पर ऐक्शन लेने के लिए जून तक का वक्त दिया है।

अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की नैशनल काउंटर टेररिज्म अथार्टी इस लिस्ट को देखती है। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों के साथ वित्तीय संस्थानों के बिजनस न करने में मदद करना है। इस लिस्ट में वर्ष 2018 में कुल 7600 नाम थे लेकिन पिछले 18 महीने में इसकी संख्या को घटाकर अब 3800 कर दिया गया है। यही नहीं इस साल मार्च महीने की शुरुआत से लेकर अब तक 1800 नामों को लिस्ट से हटाया गया है।

नाम हटाने के लिए इमरान सरकार ने नहीं बताया कारणः उधर, इतने बड़े पैमाने पर नामों को हटाने के बाद भी इमरान खान सरकार ने अभी तक सार्वजनिक रूप से इसका कोई कारण नहीं बताया है। हालांकि एक पाकिस्थानी अधिकारी ने कहा कि ऐसा कि यह देश के आतंकवाद निरोधी प्रयासों को मजबूती देने वादे को पूरा करने के लिए चल रहे अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी सरकार में पूर्व पॉलिसी अडवाइजर रह चुके पीटर पैटेटस्की ने कहा कि जितनी बड़ी तादाद में और जितनी तेजी से नामों को हटाया गया है, यह असामान्य है।

पीटर ने कहा, करीब 4 हजार नामों को बिना सार्वजनिक रूप से सफाई दिए हटाया जाना बड़े सवाल खड़े करता है। अंतरराष्ट्रीय मानक यह है कि अगर वॉच लिस्ट से आतंकवादियों का नाम हटाया जाता है तो तुरंत उसकी सूचना तत्काल वित्तीय क्षेत्र को देनी होती है। पाकिस्तान ने संदिग्ध आतंकवादियों के नाम हटाते समय ऐसा नहीं किया है। इस बारे में पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ताहिर अकबर अवन ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों की संख्या बहुत ज्यादा थी और इसमें कई गड़बड़ियां भी थीं। उन्होंने सफाई दी कि इस लिस्ट में वे नाम भी शामिल थे जिनकी मौत हो गई है और कई ऐसे भी थे जिन्होंने अपराध तो किया था लेकिन वे किसी प्रतिबंधित आतंकी गुट से जुड़े नहीं थे। एफएटीएफ इस साल जून में पाकिस्थान के मनी लॉन्ड्रिंग से 27 बिंदुओं पर लिए ऐक्ध्शन की समीक्षा करने वाला है।

क्या बीमारी किम जोंग का कोई नया नाटक है?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सियोल। नॉर्थ कोरिया ने तानाशाह किम जोंग उन के गंभीर रूप से बीमार होने की खबर आई तो उसके सबसे कट्टर दुश्मन साउथ कोरिया के कान खड़े हो गए। आखिर ऐसा पहली बार तो नहीं हो रहा था जब किम के गायब होने पर ऐसी बातें हो रही हों। इंटरनेशनल मीडिया की ऐसी खबरों पर साउथ कोरिया ने तो यही कहा कि ऐसे कोई संकेत उसे नहीं मिले हैं। न्यूज एजंसी योनहाप ने साउथ कोरिया के एक सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा, उत्तर कोरिया में कोई असामान्य संकेत नहीं हैं। यह तथ्यात्मक नहीं है।

साउथ कोरिया को क्यों लग रहा ऐसा

साउथ कोरिया को अंदेशा है कि हो सकता है कि ये किम का ही कोई नया पैंतरा हो। वो पहले भी कई बार ऐसे गायब हो चुके हैं। 36 साल के किम जोंग उन की मौत को लेकर पहले भी कई बार अफवाह उड़ चुकी है। मगर हर बार उनका खंडन हुआ।

हाल ही में किम जोंग उन अपने दादा के जन्मदिन पर होने वाले समारोह में नहीं दिखा था। 15 अप्रैल को होने वाला यह कार्यक्रम देश के संस्थापक के जन्मदिन पर होता है और नॉर्थ कोरिया के सबसे भव्य समारोहों में से एक है।

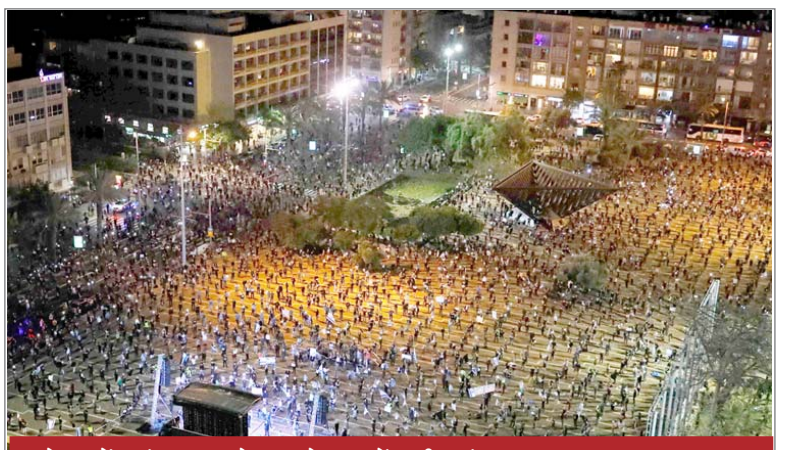

यूरोप में संक्रमण से मरने वालों की संख्या एक लाख पार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इजरायल। कोरोना वायरस से जूझ रहे इजरायल में लॉकडाउन के बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार का विरोध करने के लिए 10 हजार लोग सड़कों पर निकल आए। इस दौरान लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का भी पूरा ख्याल रखा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मास्क पहनकर और दो मीटर की दूरी बनाकर खड़े थे। उनकी जगहों को काले क्रॉस से जमीन पर निशान बनाए गए थे। प्रदर्शनकारी हाथों में काला झंडा लिए लोग दिखे। प्रदर्शनकारी नेतन्याहू के भ्रष्टाचार और सरकार द्वारा लोकतांत्रिक विरोधी उपायों के खिलाफ सड़कों पर उतरे थे। नेतन्याहू भ्रष्टाचार के तीन मामलों में आरोपी हैं। हालांकि, नेतन्याहू इन सभी आरोपों से इनकार करते रहे हैं।

क्लिनिकल ट्रायल के दौरान मरीजों पर रेमडेसिवीर का काफी अच्छा असर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ह्यूस्टन। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग के लिए हथियारों के कमी का सामना कर रही दुनिया के लिए एक बड़ी अच्छी खबर है। शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि क्लिनिकल ट्रायल के दौरान कोविड–19 के मरीजों पर रेमडेसिवीर का काफी अच्छा असर हो रहा है और उसके परिणाम अच्छे हैं, लेकिन इस दवा के प्रभाव को जांचने के लिए अधिक ट्रायल करने की जरुरत है।

अमेरिका के टेक्सास स्थित ह्यूस्टन मेथडिस्ट अस्पताल के अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार, ट्रायल में बीमारी के शुरुआती दौर में मरीज का इलाज किया जाता है या फिर कुछ मामलों में जिन्हें इलाज के दौरान वेंटिलेटर लगाने की जरुरत पड़ी हो। अस्पताल में संक्रामक बीमारियों की फार्मासिस्ट कैथरीन के. पेरेज ने कहा, 'शुरुआती परिणाम आशानजक हैं, और अभी वही महत्वपूर्ण है। कोविड–19 के मरीजों के संबंध में अभी तक हमने जितना सीखा है, उससे हमें इतना ही पता चला है कि उनकी हालत को तेजी से बिगड़ने से रोकना है।'

परिणाम अच्छे, प्रभाव जांचने के लिए अधिक ट्रायल करने की जरुरत

कई सारे वायरस के इलाज में कारगरः पेरेज ने कहा, 'समय पर कार्रवाई सबकुछ है। मैं पक्का–पक्का नहीं कह सकती हूं कि उन्हें वेंटिलेटर पर डालना ही पड़ता, लेकिन यह आशाजनक है।' इस साल की शुरुआत में 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, करीब एक दशक पहले इबोला के इलाज के लिए विकसित रेमडेसिवीर, कई सारे वायरस के इलाज में इस्तेमाल किया जा सकता है।

चीन में हुए अनुसंधान के अनुसार, रेमडेसिवीर सफलतापूर्वक कोरोना वायरस, सार्स–कोविड–2 को मनुष्य की कोशिकाओं में वृद्धि करने से रोक सकता है। रेमडेसिवीर ने मानव कोशिका के भीतर कोरोना वायरस की वृद्धि को रोकने की क्षमता प्रदर्शित की है और अब मरीजों पर उसका क्लिनिकल ट्रायल चल रहा है।

किम के स्वास्थ्य से जुड़ी खबरों के बीच उत्तर कोरिया में कोई संदिग्ध गतिविधि नही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उत्तर कोरिया में संदिग्ध गतिविधियों का पता नहीं चला है। यह बयान उन खबरों के बाद आया है, जिनमें कहा गया कि हाल ही में किम जोंग उन की हृदय की सर्जरी हुई है, जिसके बाद उनकी की हालत बेहद नाजुक है। राष्ट्रपति कार्यालय 'ब्लू हाउस' ने कहा कि वह किम की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति की पुष्टि नहीं कर सकता है। गौरतलब है कि सीएनएन ने एक गुमनाम अमेरिकी अधिकारी के हवाला से बताया कि किम एक सर्जरी के बाद ''गंभीर खतरे'' में हैं। बाद में, एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने उसी नेटवर्क को बताया कि किम के स्वास्थ्य को लेकर आई खबरें सही हैं लेकिन स्थिति की गंभीरता का आकलन करना कठिन है। दक्षिण कोरियाई सरकार ने कहा कि वह अमेरिकी मीडिया की उन खबरों की जांच–पड़ताल कर रही है, जिसमें कहा गया है कि सर्जरी के बाद उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की हालत गंभीर है। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय और राष्ट्रीय खुफिया सेवा के अधिकारियों ने कहा कि वे रिपोर्ट की तत्काल पुष्टि नहीं कर सकते।